

12 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTERS  
OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE(i) BLOWING UP OF RAILWAY TRACK BY  
NAGA HOSTILES

श्री हुकम चन्द्र कछवाय (देवास):  
अध्यक्ष महोदय, मैं अबिलम्बनीय लोक महत्व  
के निम्न विषय की ओर रेल मंत्री का ध्यान  
दिलाता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि वह इस  
बारे में एक वक्तव्य दें :

“नागा विद्रोहियों द्वारा हाल ही में  
रेल मार्ग का उड़ाया जाना ”

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा०  
राम सुभग सिंह): पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के  
लमडिंग-डीमापुर सेक्शन पर धानसिरी स्टेशन  
के स्टेशन मास्टर ने 9-2-66 को लगभग  
22.5 बजे एक जोरदार धमाके की धावाज  
सुनी जो लमडिंग की ओर से आई। धमाके  
की जगह को पार करने के बाद धानसिरी  
स्टेशन की तरफ जाते समय इंजीनियरिंग  
विभाग के दो गश्त लगाने वालों ने धानसिरी  
स्टेशन पर बताया कि उस स्टेशन के अग्र होम  
सिगनल के पास रेल की पटरी के एक हिस्से  
को उड़ा दिया गया है। उन्होंने वहाँ घास-  
पास किसी शरारती व्यक्ति को नहीं देखा  
था।

डीफ़् सेक्टर के इंचार्ज ब्रिगेड मेजर,  
सरकारी रेलवे पुलिस तथा रेलवे सुरक्षा  
दल की विशेष बटालियन के आफिसर्स कमा-  
ंडिंग, डिप्टी कमिश्नर, डीफ़् और विभाग के  
अन्य संबंधित अधिकारियों को तुरन्त सूचना  
दी गयी और सेक्शन की तमाम गाड़ियों को  
निर्यंत्रण में ले लिया गया। डाउन सर्च  
लाइट स्पेशल, जो डीमापुर/मनीपुर रोड  
स्टेशन से 22.45 बजे चली, धानसिरी  
स्टेशन पर 23.50 बजे पहुंची। डाउन  
मेट्रियल गाड़ी भी डीमापुर/मनीपुर रोड से  
स्टेशन से 23.55 बजे चल कर 10-2-66  
को 00.55 बजे धानसिरी स्टेशन पहुंची  
इसी प्रकार, स्थानीय अधिकारियों

को लेकर अग्र मेट्रियल गाड़ी  
10.2.66 को 00.20 बजे लमडिंग  
स्टेशन से रवाना होकर 03.25 बजे  
दुर्घटना स्थल पर पहुंच गयी।

दुर्घटना स्थल के निरीक्षण से पता चला  
कि धानसिरी स्टेशन के लमडिंग वाले सिरे  
पर अग्र होम सिगनल और अग्र सम्मुख कांटे  
के बीच, दक्षिणी बाजू की 13 फुट पटरी  
क्षतिग्रस्त होकर टुकड़े-टुकड़े हो गयी है।  
पटरियों के 3 फुट 6 इंच और 3 फुट 2 इंच  
लम्बे दो टुकड़े उस जगह के पास पड़े मिले।  
लगभग 3 फुट व्यास के और 1 1/2 फुट गहरे  
3 गड्ढे उस स्थान पर पाये गये, जिनसे ऐसा  
मान्य होता है कि तीन स्थानों पर विस्फोटक  
पदार्थ रखे गये थे। 110 फुट की दूरी पर  
पटरी के दक्षिण की ओर पयुज तार के तीन  
टुकड़े भी पड़े मिले। दुर्घटना की जगह के  
पास दियासलाई की एक डिब्बी और एक  
जली हुई तीली भी पड़ी पायी गयी।

पयुज तार और टूटी हुई पटरी के  
टुकड़ों तथा अन्य वस्तुओं को सरकारी रेलवे  
पुलिस लमडिंग ने अपने कब्जे में ले लिया है  
और भारतीय रेल अधिनियम की धारा  
126(ए) और भारत रक्षा निषेधों की  
धारा 36 के अधीन मामला दर्ज करके  
सरगर्मी से इसकी छानबीन कर रही है।  
डीफ़् पुलिस ने संदेह में 18 नागाओं को  
गिरफ्तार किया है।

पटरी के विस्फोट के कारण किसी गाड़ी  
को नुकसान नहीं पहुंचा और न किसी व्यक्ति  
के हताहत होने की रिपोर्ट मिली है।  
10-2-66 को 09.30 बजे पटरी की  
मरम्मत करके उसे दुस्त प्रमाणित कर दिया  
गया और गाड़ियों का आना-जाना फिर शुरू  
हो गया।

श्री हुकम चन्द्र कछवाय: नागा विद्रोहियों  
के नेताओं के साथ प्रधान मंत्री जी की हालत  
ही में बातचीत हुई है। उस में प्रधान मंत्री  
ने इस सम्बन्ध में चर्चा की थी। उन्होंने

[श्रीहुकम चन्द कछवाय]

भारत सरकार पर यह आरोप लगाया था कि भारत सरकार ने नागा विद्रोहियों को जिन्दा जलाया और उसका बदला लेने के लिए ये सारी कार्रवाइयां वे कर रहे हैं। क्या हमारी सरकार ने उनके इस आरोप की झालोचना की है, यदि नहीं तो उसका क्या कारण है? मुझे पता है कि आज तक कोई झालोचना नहीं की है।

मैं यह भी जानना चाहता हूँ कि इन नागा विद्रोहियों द्वारा जो विस्फोटक पदार्थ वहाँ रखे गये थे क्या इसके बारे में सरकार के पास पूरी जानकारी है कि वे कहाँ के बने हुए थे, किस देश ने इनको दिया?

क्या सरकार यह भी बतायेगी कि शान्ति मिशन द्वारा जो बात की गई थी उसको मानने से क्या नागा विद्रोहियों ने बिल्कुल इन्कार कर दिया है?

**अध्यक्ष महोदय :** जब सवाल एक से ज्यादा इकट्ठे किये जायं तो मैं मिनिस्टर साहब को इजाजत दे दूंगा कि एक ही का अगर वे जवाब दे दिया करें तो मैं उसको काफी समझ लूंगा।

**श्री हरि शिष्णु कामथ (होशंगाबाद) :** एक ही सवाल के दो या तीन हिस्से हो सकते हैं।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** पहले सवाल का जवाब तो दिलवा दें। मैंने प्रधान मंत्री से पूछा है। उन से नागाओं की बातचीत हुई है। नागाओं ने यह आरोप लगाया है कि जिन्दा जला दिये थे और इस बास्ते वे इस तरह की कार्रवाइयां कर रहे हैं। क्या इसकी झालोचना सरकार ने की है?

**प्रधान मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्रीमती इंदिरा गांधी) :** यह बात ठीक नहीं है। जो जलाये जाने का तार हमारे पास था वह बाद में था जब हमारी बातचीत खत्म हो गई।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** जो आरोप लगाया है, सरकार ने उसकी कोई झालोचना की है?

**श्री त्यागी (देहरादून) :** आरोप गलत है।

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** समाचारपत्रों में उसकी झालोचना नहीं आई है। प्रधान मंत्री द्वारा कोई झालोचना की गई हो, यह समाचारपत्रों में नहीं आया है।

**श्रीमती इंदिरा गांधी :** मैंने कहा था कि इस विषय में उन से पूरी बातचीत हुई है और उन्होंने कहा है कि वे कोशिश करेंगे कि ऐसे बाकात न हों।

**श्री प्रकाशचौर शास्त्री (बिजनौर) :** गलत है या सही?

**श्री हुकम चन्द कछवाय :** मैं निवेदन करता हूँ कि . . .

**अध्यक्ष महोदय :** अब आप बैठ जाइये।

**Shrimati Tarkeshwari Sinha (Barh) :** May I know, Sir, in view of the statement of the Prime Minister that the Naga underground leaders who came here assured that the situation will improve and in view of the fact that simultaneously with the presence of these Naga underground leaders these incidents have occurred, whether there is any other militant group which is indulging in these incidents and how far the assurance of the Naga underground leaders is going to improve the situation vis-a-vis that militant group which somehow do not feel very happy about these talks?

**Shri Tyagi :** They are all one.

**Shrimati Indira Gandhi :** There was no assurance as such. I think I mentioned the other day, when I was making a statement, that we agreed that it was those people who do not wish the peace talks to succeed who were indulging in such activities, and therefore . . . . .

**Shri Hem Barua (Gauhati):** Did the Naga leaders tell you so in so many words?

**Shrimati Indira Gandhi:** I said so in so many words and they agreed.

**Shrimati Tarkeshwari Sinha:** The second part of my question has yet to be answered, how far these activities are going to be checked by the assurance.

**Mr. Speaker:** Only one question is to be answered.

**श्री मधु लिमये (मुंगेर) :** एक ही प्रश्न के दो हिस्से हैं ।

**Shrimati Tarkeshwari Sinha:** May I submit, Sir, that I asked this specific question, whether this assurance given by them is going to improve the situation vis-a-vis these hostile groups who have been militant there especially during the time that these leaders came here.

**Mr. Speaker:** Who can say about the future? Who can say what is going to happen in the future? Whether that would improve or not only events can tell.

**Shri N. R. Laskar (Karimganj):** The entire people of this country, more particularly the travelling public of that area, are deeply concerned and worried about this sort of ugly incidents by the hostile Nagas. May I know what positive steps have been taken to bring confidence in the minds of the people in that area?

**Shrimati Indira Gandhi:** We are looking into this whole matter. We ourselves are deeply concerned about these incidents and the insecurity that is caused to the people of that area.

**श्री रामसेवक यादव (बाराबंकी) :** प्रधान मंत्री ने कहा है कि नागा विद्रोहियों में दो तरह के लोग हैं । एक तो यह चाहते हैं कि बातचीत चले और शान्ति स्थापित हो. दूसरे कुछ गड़बड़ करना चाहते हैं । मैं जानना

चाहता हूँ कि जो दो प्रश्नों की बात की जाती है इन घटनाओं को देख कर क्या प्रधान मंत्री अपने मन की बात कहती हैं या उन्होंने तथ्यों के बारे में जानकारी ली है और उनके आधार पर कहती हैं ?

**श्रीमती इंदिरा गांधी :** यह कहना मुश्किल है कि दो घुप हैं या कितने घुप हैं । लेकिन जो वाक्यांत होते रहे हैं उन से हमें ऐसा कुछ लगता है ।

**डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद):** जो गड़बड़े बने और जिस तरह से रेल की पट्टी टूटी और सोलह नागाओं को सन्देश में गिरफ्तार कर रखा है उससे क्या सरकार को यह पता चला है कि ये विस्फोटक पदार्थ क्या भारत की सेना से उनको मिले थे या किसी परदेशी दुकूमत से मिले थे ? ये बहुत ताकतवर मानूम होते हैं ।

**डा० राम सुभग सिंह :** सारे मामले की पुलिस छान बीन कर रही है । उसकी रिपोर्ट आयेगी तब यहां बतला देंगे क्योंकि विस्फोटक तो फूट गया । उस में ऐसा कोई तत्व नहीं मिला जिस पर कोई निशान हो । थोड़ा बहुत जो तार वगैरह मिला है वह पुलिस के पास है ।

**डा० राम मनोहर लोहिया :** शक्तिशाली विस्फोटक ।

**श्री ए० प्र० शर्मा (बक्सर) :** मैं जानना चाहता हूँ कि जब इस तरह की घटनाएँ इस क्षेत्र में हो रही हैं तो रेलवे लाइनों की सुरक्षा के लिये क्या कोई स्पेशल वैट्रोलिंग गैंग या वैट्रोलिंग फोर्स इस एरिया में मुकर्रर किया गया है ताकि इस तरह की दुर्घटनाएँ या इस से बड़े वाक्यांत न हो पायें ?

**डा० राम सुभग सिंह :** रेलवे लाइनों पुलों और रेलवे कर्मचारियों के क्वाटर्स, सभी चीजों को सुरक्षा के लिये पूरा प्रबन्ध

[डा० राम सुभग सिंह]

किया गया है और हाल की जो दुपटनायें हुई हैं उन को दृष्टि में रखते हुए उस को और मजबूत करने का प्रबन्ध किया जा रहा है।

श्री डॉ० प्र० शर्मा : मैंने पूछा था कि कोई स्पेशल इन्तजाम किया गया है या नहीं। भ्राम तौर से तो इन्तजाम होता ही है लेकिन कोई परमानन्त उपाय या इन्तजाम किया गया है ?

डा० राम सुभग सिंह : इसीलिये बतलाया कि लामाडिग बदरपुर लाइन पर जितने पुल हैं और लामाडिग के अतिरिक्त भी जहाँ पर पुल हैं, हर जगह रक्षक रखे गये हैं और उनकी तादाद बढ़ाने का प्रबन्ध भी किया जायेगा। और भी जो स्ट्रैटेजिक जगह हैं वहाँ भी इन्तजाम किया जायेगा।

**Shrimati Renuka Barkataki (Bar-peta):** When there was a daylight attack on a passenger train almost at the same point about three months ago, the hon. Railway Minister said in this House that the proposal to clear the jungle on both sides of the railway track could not be implemented because it was not the sole responsibility of the Central Government. May I know whether any steps have since been taken to get both the Governments of Assam and Nagaland to implement this proposal expeditiously; if so, what is the response of both these Governments and have they taken up the matter or not?

**Dr. Ram Subhag Singh:** I might clear this point because repeatedly some questions have been asked regarding this particular matter. This was discussed on 23rd April, 1963 by the Emergency Committee of Secretaries. The Government of Assam was requested to clear the jungle and the jungle has been cleared between Noajan and Dhansiri as also in other areas. The Government of Assam has cleared the jungle.

**Shri Hem Barua:** They have not.

**Dr. Ram Subhag Singh:** The hon. Member says, "They have not". I am placing on the Table the reports that we have got. It is also true, because that is a wet area, that once you clear the jungle again something comes out after the next monsoon..... ..  
(Interruption).

**Shri Hem Barua:** He says, "It is a wet area". Introduce prohibition there..... ..(Interruption).

**Dr. Ram Subhag Singh:** Therefore one need not be very touchy about it. Everything depends upon how effective steps you take to fight this element. We can depute and are deputing people to fight this menace even if the jungles exist; but we have already got them cleared.

12.13 hrs.

RE: CALLING ATTENTION NOTICE

(Query)

**Mr. Speaker:** There is another calling attention notice about the air crash in Assam. About that I shall ask the Minister to make the statement at 5 o'clock.

**The Minister of Defence (Shri Y. B. Chavan):** I can make the statement now.

**Mr. Speaker:** No; I cannot take two of them together.

12.13 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE

COAL MINES PIT-HEAD BATH (AMENDMENT) RULES ETC.

**The Deputy Minister in the Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Shri D. R. Chavan):** Sir, on behalf of Shri Shahnawaz Khan, I beg to lay on the Table—

- (1) A copy of the Coal Mines Pit-head Bath (Amendment) Rules, 1965 published in Notification No. G.S.R. 1640 in Gazette of India dated the